#  <br> AND CONCEPTION BAY JOURNAT. 

Vol. III
WEDNESDAY, MARCH ।, 1837
No. 140


|  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | why they are not founded in equity |  |
|  |  | mingtic presided in the Insilvent Del.- |  |
|  |  |  |  |
| caution us against this generous action |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| of Barbary, a present of liberality be |  |  |  |
|  |  |  |  |
| which many merchants ha to their cosi and vexation. |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  | VE INDIAN SWORDS |  |
|  |  |  |  |
|  | the watermark on |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| The beggar followed his patron until |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  | The |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| his departure for Egypt <br> The beggar-still lpt his post, bur, |  |  |  |
|  |  |  |  |
| informed that he was not in the kingdon |  |  |  |
|  |  | with his surord, and in turn became the |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
| return for his kind expressions, w to repeat his usual benevolence, | - Affidavits were put in th approach of death, lut at th |  |  |
| ple declined accepting it, saying it wa | n of his faculties, he |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |  |  |

